GSEB Std 10 Hindi Textbook Solutions Chapter 22 भीतरी समृद्धि

GSEB Class 10 Hindi Solutions भीतरी समृद्धि Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

किसके बढ़ने पर जीवन-भक्ति कम हो जाती है ?

(अ) द्रव्य-भक्ति

(ब) तरल-भक्ति

(क) धन-भक्ति

(ड) प्रभु-भक्ति

उत्तर :

(अ) द्रव्य-भक्ति

प्रश्न 2.

पोम्पीनगर के खंडहरों से मिले एक नर-कंकाल की मुट्ठी में क्या था ?

(अ) चाँदी

(ब) सोना

(क) मोती

(ड) हीरा

उत्तर :

(ब) सोना

प्रश्न 3.

मनुष्य अंदर से कब तक अमीर था ?

(अ) विज्ञान की खोज नहीं हुई थी तब तक

(ब) टी.वी. को खोज नहीं हुई थी तब तक

(क) टेलिफोन की खोज नहीं हुई थी तब तक

(ड) पैसों की खोज नहीं हुई थी तब तक

उत्तर :

(ड) पैसों की खोज नहीं हुई थी तब तक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 4.
इनमें से वनस्पतिविज्ञान का महान पंडित कौन बन गया ?
(अ) विवेकानंद
(ब) दयानंद
(क) डंकन
(ड) श्री अरविंद
उत्तर :
(क) डंकन

2. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
लोग अंत:करण की अमीरी की सुगंध कब खो देते हैं ?
उत्तर :
जब लोग अमीर बनने के कृत्रिम चाव में फस जाते हैं, तब वे अंत:करण की अमीरी की सुगंध खो देते हैं।

प्रश्न 2.
सुख का जादूगर और शांति का डकैत कौन-सा है ?
उत्तर :
धन सुख का जादूगर और शांति का डकैत है।

प्रश्न 3.
आज जीवन का नियंत्रक परिबल कौन है ?
उत्तर :
आज जीवन का नियंत्रक परिबल धन है।

प्रश्न 4.
अमीर धन कैसे कमाता है ?
उत्तर :
लेखक के अनुसार अमीर दूसरों को उल्लू बनाकर धन कमाता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
तृष्णा को परंपरागत डाकूरानी क्यों कहा गया है ?
उत्तर :

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

डाकू का उद्देश्य किसी भी प्रकार से दूसरे का माल असबाब लूटना होता है, इसी तरह अप्राप्य वस्तु को पाने की तीव्र इच्छा तृष्णा का उद्देश्य भी येन केन प्रकारेण वांछित वस्तु पाना है। इसमें इन्हें कोई बुराई नजर नहीं आती। इस तरह डाकू और तृष्णा में कोई अंतर नहीं ६ होता, इसीलिए तृष्णा को परंपरागत डाकूरानी कहा गया है।

प्रश्न 2.
व्यापारी ने अपनी अंतिम साँस लेते समय रुपयों की थैली मजबूती से हाथ में क्यों पकड़ रखी थी ?
उत्तर :
तृष्णातुर मनुष्य की तृष्णा अंतिम सांस तक उसका पीछा करे रहती है, यह तृष्णापूर्ति धन से होती है। व्यापारी के मन में अंतिम समय तक अपनी इच्छाओं की पूर्ति की उम्मीद थी। इसलिए अंतिम सांस लेते समय भी रुपयों की थैली उसने मजबूती से हाथ में पकड़ रखी थी।

प्रश्न 3.
आज वास्तविक धन कौन-कौन-से गुण में हैं ? क्यों ?
उत्तर :
आज वास्तविक धन मनुष्य के सहदयता, आत्मीयता, आशा, उल्लास तथा प्रेम आदि गुणों में हैं। इन गुणों के द्वारा जो धन प्राप्त होता है, वह चिरस्थायी होता है। जबकि द्रव्य के रूप में कठिन परिश्रम से अर्जित किया गया धन स्थायी नहीं होता।

प्रश्न 4.
आज मनुष्य की वृत्ति व प्रवृत्ति दोनों ही भ्रष्ट क्यों हो गई है ?
उत्तर :
आधुनिक जीवन में धन जीवन को नियंत्रित करनेवाली शकित होने के कारण प्रत्येक व्यक्ति धनोपार्जन में व्यस्त है। गरीब अपनी जीविका चलाने के लिए तो अमौर अधिक अमीर बनने धन कमाने में जुटे हुए है। इसलिए आज मनुष्य की वृत्ति और प्रवृत्ति दोनों ही भ्रष्ट हो गई हैं।

प्रश्न 5.
डंकन के जीवन से क्या संदेश मिलता है ?
उत्तर :
डंकन एक गरीब बुनकर के पुत्र होने के बावजूद अपनी प्रबल इच्छाशक्ति से वनस्पतिशास्त्र के विद्वान बने। उनकी प्रतिभा और खराब आर्थिक स्थिति को देखकर अनेक लोगों ने उनको बड़ी-बड़ी रकम के चैक भेजे वह पैसे डंकन ने प्राकृतिक विज्ञान के विद्यार्थियों के कल्याण में लगा दिये। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि धन का उपयोग गरीबों की सहायता तथा अच्छे कार्यों के लिए करना चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

पोम्पीनगर के खंडहरों के कंकाल और एक व्यापारी के हाथ में अंतिम समय तक क्या था ? क्यों ?

उत्तर :

पोम्पीनगर के खंडहरों में खुदाई करते समय एक नरकंकाल मिला था। उसकी मुट्ठी को बड़ी मुश्किल से खोला जा सका। मुट्ठी खुलने पर पता चला कि मृत व्यक्ति की मुट्ठी में सोना था। ठीक इसी प्रकार इसी शहर के एक व्यापारी ने अपनी अंतिम सांस लेते समय तकिए के नीचे से पैसों से भरी हुई थैली बाहर निकाली थी। जब तक उसके प्राण निकल नहीं गए, तब तक उसने उसे मजबूती से पकड़ रखा था। इससे उनमें धन के प्रति मोह की भावना दिखाई देती है, जिन्हें वे हमेशा संभालकर रखना चाहते थे।

प्रश्न 2.

डंकन वनस्पतिशास्त्र का महापंडित कैसे बना ?

उत्तर :

डंकन स्कॉटलैंड में रहनेवाले एक गरीब बुनकर का पुत्र था। वह अनपढ़, अशक्त, कुबड़ा था तथा कंगाल परिवार से था। उसे बच्चे चिढ़ाते थे। वह दोर चराने का काम करता था और उसका मालिक उस पर बहुत अत्याचार करता था। सोलह साल की उम में उसने मूलअक्षर सीखना शुरू किया था। फिर वह जल्दी-जल्दी पढ़ना लिखना सीखता गया। जंगल में घूमने के कारण उसे पहले से वनस्पतियों की जानकारी थी। उसने वनस्पतिशास्त्र का ग्रंथ खरीदकर वनस्पतिशास्त्र का गहरा अध्ययन किया और इस विषय का महापंडित बन गया।

प्रश्न 3.

भारत के महापुरुषों को कीचड़ में खिलने वाले कमल क्यों कहा है ?

उत्तर :

भारत में अनेक महापुरुष हुए हैं। उन्होंने गरीबी, अभाव और कठिनाइयों में अपने जीवन की शुरुआत की थी। इसके बावजूद उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में अपना मूल्यवान योगदान दिया है। धन की समस्या कभी उनके आड़े नहीं आई। धन के लिए उन्होंने कभी ऐसा कोई काम नहीं किया, जिससे उनको लज्जित होना पड़ा हो। धन के लालच में उन्होंने कभी अपनी नीयत खराब नहीं की। उनके प्रदेय जगआहिर हैं। अभावों और कठिनाइयों से जूझकर उन्होंने ऐसे कार्य कर दिखाए, जिनके बल पर वे महापुरुष कहलाए। इसीलिए उन्हें कीचड़ में से निकलनेवाले कमल कहा गया है।

प्रश्न 4.

'बाहर ही नहीं अंदर से श्रीमंत अथवा अमीर बनना ही पैसा पचाने की कला है ।' समझाइए ।

उत्तर :

धन कमाने पर आदमी श्रीमंत अथवा अमीर बनता है। इससे वह दुनिया में सम्मानपूर्वक जीना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

चाहता है। लेकिन केवल धन से ही आदमी को सम्मान मिलना मुश्किल होता है। आदमी को सम्मान तभी मिलता है, जब वह बाहर और अंदर दोनों से धनवान बने। अर्थात् व्यक्ति को ऊपर से श्रीमंत होने के साथ-साथ उदार भी होना चाहिए। उसे अपने धन से गरीबों और असहाय लोगों की सहायता करनी चाहिए। तभी आदमी बाहर और अंदर दोनों से श्रीमंत कहा जा सकता है। तभी उसके पैसे का सदुपयोग होता है। जब वह बाहर-अंदर दोनों तरफ से श्रीमंत या अमीर होता है, तभी वह अपने पैसे को पचाने अथवा उसका सही उपयोग करने में समर्थ होता है। पैसा पचाने यानी उसका सदुपयोग करने की यही कला है।

5. निम्नलिखित कथनों को समझाइए :

प्रश्न 1.

'धन सुख का जादूगर भी है और शांति का डकैत भी ।'

उत्तर :

सुखमय जीवन जीने के लिए धन बहुत जरूरी है। धन से तरह-तरह की सुख-सुविधा की चीजें खरीदी जा सकती हैं। मनुष्य जादू की गति से ऐशो-आराम की जिंदगी जी सकता है। पर धन का एक दोष भी है। धन आने पर मनुष्य की अधिक-से-अधिक धन प्राप्त करने की तृष्णा बढ़ती जाती है। वह किसी भी तरह से अधिक-से-अधिक धन एकत्र करने का प्रयास करने में जुट जाता है। इससे मनुष्य की शांति गावव हो जाती है। उसका मन अशांत हो जाता है। वह धन के पीछे पागलों की तरह भागने लगता है। इसीलिए कहा गया है कि 'धन सुख का जादूगर भी है और शांति का डकैत भी।'

प्रश्न 2.

'पहले त्याग द्वारा आनंद की प्राप्ति होती थी पर अब भोगने के बाद फेंक देना' - मूल मंत्र हो गया है ।

उत्तर :

त्याग और भोग एक-दूसरे के विपरीतार्थक शब्द हैं। पहले हमारे देश में त्याग की भावना प्रमुख थी। हमारे देश के महापुरुषों ने त्याग का मार्ग अपनाया था और उन्होंने देश और समाज के लिए अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया था और अपना सर्वस्व त्याग दिया था।

उन्होंने अपने महान लक्ष्य के लिए यह व्रत अपनाया था और उसकी _पूर्ति होने पर उनके आनंद की कोई सीमा नहीं होती थी। आज भोग
की प्रवृत्ति का जोर है। आज के अमीरों में यह प्रवृत्ति धड़ल्ले से पनप रही है। महंगे वस्त्रों और गहनों के भोंडे प्रदर्शन इसके सबूत हैं।

प्रश्न 3.

'आज जीवन में धन ही जीवन का नियंत्रक परिबल बन गया है ।'

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर :
आज के जमाने में धन बहुत महत्त्वपूर्ण हो गया है। चाहे छोटा काम हो या बड़ा, बिना धन के उसे पूरा नहीं किया जा सकता। गरीब आदमी को अपना और अपने परिवार का पेट पालने और तन दकने के लिए धन की आवश्यकता होती है। अमीर आदमी को और अधिक अमीर बनने के लिए धन की जरूरत होती है। आज के मनुष्य की वृत्ति और प्रवृत्ति दोनों ही भ्रष्ट हो गई हैं। इस तरह आज धन ही जीवन का नियंत्रक परिबल बन गया है।।

6. सूचनानुसार लिखिए :

प्रश्न 1.
मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :
चैन की साँस लेना, खून-पसीना एक करना
उत्तर :

- चैन की सांस लेना - संकट आदि से छुटकारा पाना वाक्य : लगातार तीन वर्षों के अकाल के बाद इस साल मुशलाधार वर्षा होने पर किसानों ने चैन की सांस ली।
- खून-पसीना एक करना - घोर परिश्रम करना वाक्य : रमेश ने खून-पसीना एक करके डॉक्टर बनने का सपना पूरा किया।
- धज्जियाँ उड़ाना - टुकड़े टुकड़े कर देना वाक्य : हमारी सेना ने दुश्मनों की धज्जियाँ उड़ा दी।
- फिदा होना - आसक्त होना वाक्य : श्रीकृष्ण की मुरली पर सारा ब्रज फिदा हो गया।
- उल्लू बनाना - मूर्ख बनाना वाक्य : नौकर सेठ को उल्लू बनाकर तिजोरी खाली कर गया।

प्रश्न 2.
दिए गए शब्दों के विशेषण बनाइए :

1. अमीर
2. परिवार
3. अभिमान
4. परिश्रम
5. दिन
6. दर्शन

उत्तर :

1. अमौराना
2. पारिवारिक
3. अभिमानी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. परिश्रमी
5. दैनिक
6. दर्शनीय

प्रश्न 3.
दिए गए शब्दों से भाववाचक बनाइए :

1. मनुष्य - .....
2. डाकू - .....
3. व्यक्ति - .....
4. दुर्बल - .....
5. लज्जा - .....

उत्तर :

1. मनुष्य - मनुष्यता
2. डाकू - डकैती
3. व्यक्ति - व्यक्तित्व
4. दुर्बल - दुर्बलता
5. लज्जित - लज्जा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in